वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 123 | मंगलवार 27 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का उज्जैन दौरा

महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में सपरिवार भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शर्मा ने महाकाल की झांकी में शामिल होकर श्रद्धालुओं के साथ हर हर महादेव के जयकारे लगाए। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सांदीपनि आश्रम पहुंचकर वहां भी विधिवत पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण, बाबा भोलेनाथ की नगरी उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने आए थे। उन्होंने कहा कि मथुरा से लेकर उज्जैन तक जिन जिन स्थानों से कृष्ण होकर आए, उनको राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से विकसित कर 'कृष्ण गमन पथ' धार्मिक सर्किट बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सर्किट के विकसित होने से दोनों राज्यों के बीच धार्मिक और सामाजिक सौहार्द बढ़ेगा तथा आपसी रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री शर्मा का उज्जैन हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान मध्यप्रदेश सरकार में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री गौतम टेटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा सहित बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित रहे।

वासुदेव श्रीकृष्ण व्यक्ति नहीं, शक्ति हैं: युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। वासुदेव श्रीकृष्ण व्यक्ति नहीं, शक्ति है,सोमवर को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने जन्माष्टमी के अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वासुदेव श्रीकृष्ण भारतीय साहित्य का एक आकर्षण है। उन्होंने बताया कि कृष्ण का मतलब होता है जो आकृष्ट करते हैं, जिसमें आकृष्ट करते का सामर्थ्य है। उनके कारण श्याम वर्ण को एक चमक मिली। आज हमने गलत धारणा बिठा ली है। व्यक्ति बाहर के रंगों को फेयर देखना चाहता है। उन्होंने कहा सांवला रंग सौंदर्य का प्रतीक माना गया है। जो सौंदर्य के उपासक हैं, उन्होंने श्याम वर्ण को उत्कृष्ट माना है। कृष्ण का स्वरूप बच्चे के रूप में सूरदास को आकर्षित कर देता है। बचपन का सौंदर्य माखन चोर था। भारतीय काव्यों में कहा गया है कि वे माखन चोर यानी संतों के हृदय को आकर्षित करने वाले थे। उन्होंने कहा उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णन आता है कि वासुदेव श्रीकृष्ण अरिष्ट नेमी के दर्शन, वंदन करने समवसरण में जाते हैं। कुछ पृच्छा करते हैं। वे कृष्ण के स्वरूप भावी तीर्थंकर है। कृष्ण को बांसुरी अति प्रिय थी। बांसुरी में जब हवा भरते हैं, तब ही आवाज करती है। बांसुरी में कोई भेदभाव नहीं है। वैसे ही श्रीकृष्ण किसी में भेदभाव नहीं करते। उनका माखन चोर का स्वरूप अत्याचारियों से बचाने वाला था। उन्होंने कहा अत्याचार करने वाला ही दोषी नहीं होता, अत्याचार का मूक दर्शन करने वाला भी अत्याचारी है। यदि कृष्ण को भारतीय संस्कृति, व्यवस्था पूर्ण रूप से समय देती है तो कई सकारात्मक चीजें उभरकर आती है। भगवदगीता कृष्ण के नाम से है। उनके हाथ में सुदर्शन चक्र था। सुदर्शन का अर्थ सम्यक दर्शन है। युवाचार्य प्रवर ने कहा कि श्रीकृष्ण शांतिप्रिय थे, युद्ध प्रिय नहीं। वे लड़ाई के पक्षधर नहीं थे। हम सोचते हैं कोई बात में उलझकर समाधान कर लेंगे लेकिन वह समाधान नहीं है। व्यक्ति सोचता है लड़ाई करके जीत हासिल कर लूंगा लेकिन दोनों पक्ष नहीं जीत सकते। श्रीकृष्ण ने यह समझाया कि लड़ाई समाधान नहीं है। वे शान्तिप्रिय थे, इसलिए शान्ति दूत बने। वे धर्म में सहयोगी थे, अनुमोदना की और इतनी जबर्दस्त रुप से अंतराय को तोड़ा कि तीर्थंकर नाम कर्म को निकाचित कर दिया। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि आप भी धर्म साधना के सहयोगी बनो, अनुमोदना करो। आपके अंतराय कर्म आज नहीं, तो भविष्य में टूट जाएंगे। जिनके पास भोग, ऐश्वर्य मौजूद था, वे तीर्थंकर बनेंगे। श्रीकृष्ण ने प्रत्येक कला, सामर्थ्य का उपयोग जन हितार्थ किया। यदि हम उनका गुणगान करते हैं तो उनके गुणों को आत्मसात भी करो। उन्होंने कहा वासुदेव श्रीकृष्ण व्यक्ति नहीं, शक्ति है, जो सौंदर्य, माधुर्य से परिपूर्ण है। उनका व्यक्तित्व व्यापक था कि वे संगीत के प्रेमी थे। वे शौर्य पुरुष, वीर योद्धा के रुप में थे श्री कृष्ण के बताएं गये धर्म के मार्ग पर चलेंगे तभी मानव भव को सफल बना सकते है। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर तप-त्याग की मटकी आयोजित की गई, जिसमें विशेष मक्खन रुपी पर्चियां वितरित हुई। उन पर्चियों में विभिन्न शुभ कार्यों की प्रेरणा दी गई। बच्चों को कृष्ण परिवेश में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। संगीता दिनेश दरड़ा, विमलाबाई सिंघवी समेत कई तपस्यार्थियों ने प्रत्याख्यान ग्रहण किए। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के महामंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने जन्माष्टमी कार्यक्रम को सफल बनाने में शामिल महिला महासंघ की सदस्याओं एवं जजों का आभार जताया। सोमवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी नरेन्द्र रोशन बोथरा परिवार थे।

निवाई में सोलह कारण मण्डल विधान का हुआ आयोजन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। में बंपुई वालों की धर्मशाला स्थित श्री दिगम्बर जैन चंद्र प्रभु मंदिर में सोलह कारण पर्व के चलते विशेष आराधना करके पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि इस दौरान कार्यक्रम में इन्द्र इन्द्राणियो ने भगवान चंद्र प्रभु की विशेष शांतिधारा करके अभिषेक किया गया। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान शिखरचंद काला सुरेश काला एवं संजू ललवाडी.के सानिध्य में सोलह कारण विधान की विशेष आराधना की जिसमें तप त्याग भावना आचार्य भक्ति भावना बहुश्रुत भक्ति भावना अशुचि भावना सहित सोलह कारण भावनाओं की पूजा अर्चना की। विधान में गायक अजीत काला ने संगीत से पूजा करवाई। इस दौरान हुकमचंद जैन राजेश जैन शैलेष काला विजय जैन पारसमल जैन अजीत काला हितेश छाबड़ा सहित कई लोग मौजूद थे।

हड्डी व जोड़ रोग का निशुल्क शिविर संपन्न, सैकड़ो लोगों ने करवाई अपनी जांच

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद ऐलनाबाद द्वारा ऐलनाबाद शहर में डॉक्टर शशी गुप्ता हॉस्पिटल में हड्डी जोड़ रोग,घुटनों व कुहलो का शिविर लगाया गया। इस शिविर के बारे में शाखा सचिव राकेश ढुंढाड़ा ने बताया कि इस शिविर में कुल 165 मरीजों की निःशुल्क जांच की गई और इनमें से 60 मरीज का एक्सझरे किया गया ,75 मरीज का बीएमडी टेस्ट किया गया, 35 मरीजों का ब्लड टेस्ट निःशुल्क किया गया और सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई । इस शिविर में डॉक्टर सौरभ गुप्ता द्वारा मरीजों की जांच की। शिविर की अध्यक्षता भारत विकास परिषद् के जिला कोऑर्डिनेटर सुरेश सिंगला ने की। इस शिविर के मुख्य अतिथि शहर के नगर पालिका चेयरमैन राम सिंह सोलंकी और पोहड़का की सरपंच सुमन सहारण थे। कैंप की शुरूआत स्वामी विवेकानंद और भारत माता की चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई। जिसमें शाखा अध्यक्ष ईश कुमार मेहता, भभूति प्रसाद गर्ग, सोहनलाल, अनरजीत सिंह, सुभाष प्रेमी, जरनैल सिंह, नीरज कटारिया, महिला प्रमुख पुष्पा सोलंकी, रमेश गुप्ता, डॉ विजय सिंगला,डॉक्टर रुचि गुप्ता, डॉक्टर दिनेश गुप्ता, डॉ मयंक जैनसहित अन्य सभी परिषद के सदस्य इस कैंप में मौजूद रहे। मंच संचालन राधा कृष्ण पटीर ने किया। डॉक्टर सौरव गुप्ता ने कहा कि हड्डियां हमारे शरीर का आधार है,इसलिए हड्डियों को मजबूत बनाना चाहिए हड्डियां मजबूत अच्छे खानपान से होती है जिसमें हम दूध,छाछ, लस्सी के द्वारा भी हम हड्डियों के लिए कैल्शियम पूरी कर हड्डियों को मजबूत बना सकते है। भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद ऐलनाबाद में अनेकों प्रकार के सामाजिक कार्य करती रहतीं हैं।

उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में महिला संगोष्ठी आयोजित हुई

आगरा. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष में 25 अगस्त को अर्पितमय पावन वषायोग समिति कमलानगर के तत्वावधान एवं मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आगरा नगर की समस्त दिगंबर जैन महिलाओं की राष्ट्रीय हित में नारी का योगदान के विषय पर हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के आचार्य शांतिसागर सभागार पर महिला संगोष्ठी आयोजित की गईजिसकी शुरूआत ऊषा मारसंस के मंगलाचरण के साथ हुई,कमलानगर महिला मंडलों ने उपाध्यायश्री के समक्ष श्रीफल भेंट कियाअर्पितमय पावन वर्षायोग समिति कमलानगर के पदाधिकारीओं ने समाधिस्थ आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलित किया,साथ ही ग्रेटर कमलानगर महिलाओं ने उपाध्यायश्री के चरणों का प्रक्षालन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया समकित जैन के निर्देशन में आगरा नगर की समस्त बेटियों द्वारा आखिर ऐसा अब तक क्यों और आखिर क्यों भ्रूण हत्या पर बहुत सुंदर नाटिका का मंचन किया गया इसके बाद सभी महिलाओं ने ध्यान सुग्रहणी से घर का निर्माण,घर से समाज का निर्माण एवं समाज से राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य और महिलाओं एवं बेटियों पर हो रहे अत्याचारों पर और विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और स्थानीय प्रवक्ताओं ने नारी के योगदान पर अपने-

अपने विचार व्यक्त किए इस महिला संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं पूर्व राज्यपाल बेबी रानी मौर्य जी उपस्थित रही जिसका आयोजन समिति ने माला एवं दुपट्टा पहनकर स्वागत सम्मान किया।इसके बाद कैबिनेट मंत्री एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश सरकार की बेबी रानी मौर्य ने राष्ट्रहित में नारी के योगदान पर अपने भाव व्यक्त करते हुए सभी महिलाओं से आग्रह किया कि जिनके घर में बच्चे खिलौने नहीं खेलते हैं और जो घर में रखे हुए हैं उनको आंगनवाड़ी में दिया जाए क्योंकि बहुत सारे बच्चे जिन्होंने खिलौने देखें ही नहीं है उन्हें अन्य संस्थाएं में दें जहां हर संस्थान इससे प्रेरित होगी और कहा कि अपने बेटा को ऐसे संस्कार दे कि उनकों बेटी में मां और बहन नजर आए संगोष्ठी में सभी महिलाओं को राष्ट्रनित में नारी के योगदान के विषय पर उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज की मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ जिसके बाद आयोजन समिति ने बाहर से पधारी सभी महिलाओं का माला दुपट्टा पहनाकर और स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर श्रीमती ऊषा मारसन्स परिवार को दान चिन्तामणि की उपाधी से विभूषित किया गयाकार्यक्रम का संचालन अंकिता जैन अहिंसा एवं मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया इस महिला संगोष्ठी में उषा मारसंस,रश्मि गोयल,उषा जैन शास्त्री,सुबीना जैन रईस,माधुरी जैन अहिंसा,वंदना जैन, अंजना जैन,ऋतु जैन,उपासना जैन, रश्मि जैन,समस्त ग्रेटर कमलानगर के अलावा विभिन्न शैलियों की महिला मंडल बड़ी संख्या में उपस्थित रही। -रिपोर्ट : शुभम जैन

भारतीय जैन संगठन द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम के कार्यक्रम के तहत आज शाहपुरा के निकट त्रिवेणी धाम गोशाला एवं देवपुरा गौशाला में पौधरोपण का कार्य संपन्न किया गया।

जन्माष्टमी : हे कृष्ण आओगे न!

हे किशन-कन्हैया, सारे जग के तुम हो खिवइयां,
नाराज हूँ मैं तुमसे, कब तक ये बासुरी बजाओगे.
छलनी हो रहा तन-मन और तुम ऐसे गुनगुनाओगे.
इस कलयुग में द्रोपदियों को हैं, तुम्हारा इंतजार.
न जाने इस तरुणाई ने कौनसा जहर पी लिया हैं.
ंकंसं और ंकौरवोंं की ही तरह जन्म ले लिया हैं.
माँ के दूध से भी अब देखों इन्होंने मुँह फेर लिया हैं.
दुशासनों की फौज लिए, ये रसूखदार विचर रहें हैं.
हमारी बेटियों की अस्मतों को ये तार-तार और
माँ के आँचल में भी कोख को जार-जार कर हैं.
अरे, कान्हा कब पिघलोगे? क्या, चीखें सुन रहें हो?
क्या मेरी तपस्या के तुम, अभी-भी दिन गिन रहें हो!
याद रखों और ज्यादा, मैं इंतजार नहीं कर सकता.
माता देवकी और वासुदेव की राह नहीं तक सकता.
जन्माष्टमी पर सप्तमी और छब्बीस को सोमवार है,
हे कृष्ण, हे मुरलीधर, हे देवकी के नंदन आओगे न,
राह तकती द्रोपदियों के जख्मों पे मरहम लगाओगे न.
इन दुशासनों को दण्डनायक बन बहुत तडपाओ न.

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
31, संजय नगर, इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

वेद ज्ञान

अज्ञान घातक शत्रु

अज्ञान आपका घातक शत्रु है, जबकि ज्ञान हितैषी मित्र। ज्ञान जीवन के लिए आशा, उमंग, प्रेरणा, उत्साह व आनंद के इतने गवाक्ष खोल देता है कि जीवन का क्षण-क्षण ईश्वर का अनमोल उपहार प्रतीत होता है। एक सृजनशील क्षण आपको प्रतिष्ठा के उत्तुंग शिखर पर प्रतिस्थापित कर सकता है, जबकि कुविचार की अवस्था में क्षण भर का निर्णय आपको निकृष्टता की गर्त में धकेलकर जन्म-जन्मांतरों के लिए आपको लांछित व कलंकित करने के लिए पर्याप्त है। अज्ञान हमें निराशा और पतन की ओर ले जाता है, जबकि ज्ञान आत्मिक उन्नति का पर्याय बन जीवन समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नयन की आधारशिला भी बनाता है। जीवन में यत्र-तत्र-सर्वत्र आनंद व सृजन का सौरभ प्रवाहित करता रहता है। चाणक्य ने कहा है कि अज्ञान के समान दूसरा कोई शत्रु नहीं है। अज्ञान के अंधकार में ज्ञान रूपी प्रकाश के अभाव में भविष्य रूपी भाग्य की राहें अदृष्ट हो जाती हैं और मनुष्य असहाय होकर अपने कर्म व चिंतन की दहलीज पर ही ठोकरें खाने को विवश होता है। मंजिल व लक्ष्य पास होने पर भी वह उसे न पाने के लिए अभिशप्त होता है। फिर वह अपनी ही सोच व कर्म के चक्रव्यूह में फंसकर भय से प्रकंपित होता रहता है। कनफ्यूशियस का मानना है कि अज्ञान मन की निशा है, किंतु वह निशा, जिसमें न तो चंद्र है और न ही नक्षत्र। ज्ञान मनुष्य को तृप्ति, संतोष, आनंद, शांति व निर्भयता का दान देता है, जबकि अज्ञान अतृप्ति, असंतोष, अशांति व भय का उपहार देता है। प्रसिद्ध विचारक ए. होम का मत है कि अज्ञान भय की जननी है। वास्तव में सभी अपराध, विध्वंस, कुकृत्य और अनैतिक कार्य अज्ञान से प्रेरित होकर ही किए जाते हैं। चोर अज्ञानता में ही चोरी का अनैतिक कार्य करता है। वह उसे जीवन का चरम और परम व्यवसाय लगता है, किंतु ज्ञान व बोध हो जाने पर उसके आगोश में बिताए गए क्षणों के प्रति पश्चाताप का भाव उत्पन्न होता है। शेक्सपियर ने अज्ञान को अंधकार कहा है, जिसमें मनुष्य घुटने के लिए विवश होता है।

संपादकीय

वसुधैव कुटुम्बकम आधारित विदेश नीति की जरूरत

भारतीय सनातन संस्कृति में रची-बसी वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा आज वैश्विक पटल पर परचम लहरा रही है। आज युक्रेन- रूस युद्ध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वसुधैव कुटुम्बकम आधारित विदेश नीति से वैश्विक शांति एवं जनकल्याण की बहाली की कवायद हो रही है। यूक्रेन झ रूस युद्ध काल में प्रधानमंत्री मोदी का कीव पहुंच कर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर लेंस्की से मुलाकात करना वैश्विक शांति की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह दौरा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि इससे पहले मोदी ने 8-9 जुलाई को मास्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। युद्धकाल में प्रधानमंत्री का कीव पहुंचना इसलिए भी महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है कि यूएसएसआर से टूटकर यूक्रेन देश बनने के बाद पहली बार भारत के किसी प्रधानमंत्री का यूक्रेन दौरा है। 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से प्रधानमंत्री मोदी कई वैश्विक मंच से दोनों देशों को संदेश देते रहे हैं, ''यह युग युद्ध का युग नहीं है। भारत शांति और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करता है। किसी भी संकट में मासूम लोगों की जान हानि पूरी मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।'' मानवता पर हो रहे अघात पर वह देश चुप नहीं बैठ सकता है जो वसुधैव कुटुम्बकम आधारित विदेश नीति को लेकर वैश्विक शांति, जनकल्याण और विकास के लिए काम करता रहा है। 2014 में सत्ता संभालने के बाद ही प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विदेश नीति को लेकर स्पष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा था, ''एक वक्त वह था, जब हम समुंदर किनारे लहरें गिना करते थे, लेकिन अब वक्त आ गया है हम पतवार लेकर समुंदर में खुद उतरें।'' उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को लेकर चले हैं तो अपने घर में शांति और सद्भाव से बैठ कर काम नहीं चलेगा, बल्कि उसे साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मानवता की खातिर आज मोदी युद्धग्रस्त पहुंच गए। भारत यूक्रेन से द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर काम करता रहा है। दिसम्बर, 1991 में यूक्रेन को संप्रभु एवं स्वतंत्र देश की मान्यता मिलने के बाद मई, 1992 में कीव में भारतीय दूतावास खोला गया। द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में भारत ने यूक्रेन से आर-27 एयर-टू-एयर मिसाइल समेत अन्य हथियार आयात किए। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में यूक्रेन का पांचवा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य भारत बना । भारत द्वारा यूक्रेन को दवाओं का निर्यात करना भी जारी रहा। यूक्रेन में 30 से अधिक यूक्रेनी संस्कृति संघ / समूह भारतीय नृत्य को बढ़ावा देने के लिए कार्य करते हैं। इसके बावजूद यूक्रेन ने कई मामलों में भारत का साथ नहीं दिया। 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार में जब भारत ने परमाणु परीक्षण किया तो यूक्रेन ने 25 देशों के साथ मिल कर भारत के परमाणु शक्ति बनने का विरोध किया। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

ई-कॉमर्स नीति

ई कॉमर्स प्लेटफॉर्मों की वृद्धि और खुदरा क्षेत्र पर उनके संभावित प्रभाव को देखते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गत सप्ताह यह स्पष्ट किया कि सरकार ई-कॉमर्स के विरुद्ध नहीं है बल्कि वह ऑनलाइन और सामान्य खुदरा कारोबारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि ऑनलाइन खुदरा कारोबारियों के लिए नियमों का पालन करना महत्त्वपूर्ण है। गोयल ने सरकार की स्थिति साफ करके अच्छा किया लेकिन ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन खुदरा के मुद्दे पर बहस जारी रहेगी। सरकार को अपनी नीतियों में भी इस प्रकार बदलाव करने पड़ सकते हैं ताकि बाजार में होने वाली स्वाभाविक उथलपुथल और गतिविधियां बाधित न हों। नीतिगत नजरिये से देखा जाए तो यह समझना अहम है कि ई-कॉमर्स क्या कर रहा है और उसके क्या संभावित खतरे हैं। ग्राहकों के लिए ई-कॉमर्स ने चयन के विकल्प बढ़ाए हैं और खरीद को सरल बनाया है। कुछ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के गहन नेटवर्क और लॉजिस्टिक क्षमताओं के कारण छोटे शहरों और ग्रामीण भारत के उपभोक्ताओं की पहुंच उन उत्पादों तक हो सकी है जो पहले केवल बड़े शहरों में रहने वाले लोगों की पहुंच में थे। उत्पादक के नजरिये से देखें तो ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के साथ जुड़ाव ने पूरे देश को छोटे और मझोले उपक्रमों के लिए भी एक संभावित बाजार में बदल दिया है। ऑनलाइन और ऑफलाइन वेंडरों और उपभोक्ताओं के एक सर्वेक्षण के बाद पहले इंडिया फाउंडेशन ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें क्रमशः 60 फीसदी और 52 फीसदी वेंडरों ने कहा कि ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के बाद उनकी बिक्री और मुनाफा दोनों बढ़े हैं। जानकारी यह भी है कि वे अधिक लोगों को काम पर रख रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े विक्रेता और उपभोक्ता दोनों को लाभ हुआ है। बहरहाल, नीतिगत नजरिये से देखें तो दो प्राथमिक चिंताएं हो सकती हैं। पहली, अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बहुत कम कीमत पर बेचने की रणनीति अपनाते हैं। इस तरह के व्यवहार की जांच जरूर की जानी चाहिए। वास्तव में ऐसे मामलों में प्रतिस्पर्धा नियामकों ने बड़े ऑनलाइन खुदरा कारोबारियों की जांच की है। बहरहाल, विशुद्ध कारोबारी नजरिये से देखा जाए तो ऑनलाइन कारोबारियों के ऐसा व्यवहार अपनाने की कोई तुक नहीं समझ में आती। आमतौर पर ऐसा व्यवहार छोटे बाजारों में अपनाया जाता है जहां सीमित प्रतिस्पर्धा हो। यहां मामला ऐसा नहीं है। दो बड़े विदेशी फंडिंग वाले ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अब ढेर सारे घरेलू प्लेटफॉर्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रह हैं। इनमें कुछ ऐसे प्लेटफॉर्म भी हैं जिनका स्वामित्व देश के बड़े औद्योगिक घरानों के पास है। ध्यान रहे कि क्विक कॉमर्स यानी शीघ्र सामान पहुंचाने वाली सेवाएं अब जोर पकड़ रही हैं। ये भारी छूट वाली सेवाओं के मुकाबले तेजी से बढ़ रही हैं। इससे पता चलता है कि ऑनलाइन खुदरा कारोबार काफी प्रतिस्पर्धी है और यहां प्रवेश बाधा वैसी नहीं है जैसा पहले सोचा जाता था। नीति निर्माताओं की दूसरी बड़ी चिंता रोजगार की हो सकती है। आमतौर पर बड़ी संख्या में लोग आजीविका के लिए आसपास की दुकानों पर निर्भर होते हैं।

भगवान कृष्ण का जीवन देता सीख

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी नहीं छोड़े पुरूषार्थ करना :आचार्य श्री सुंदरसागर जी महाराज

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। श्रीकृष्ण का श्री आदर देने के साथ ज्ञान,सम्पन्नता व प्रकाशवान होने का प्रतीक है। श्री कृष्ण का जन्म प्रतिकूल परिस्थितियों में हुआ। चारों तरफ कंस के अत्याचार बढ़ रहे थे ओर अन्याय का बोलबाला था। उन्हें जन्मते ही मां को छोड़ नंद गांव जाना पड़ा लेकिन पुरूषार्थ से जीवन को असाधारण बना लिया। वैदिक परम्परा में उन्हें अवतार ओर जैन शासन में श्लाधा पुरूष मानते है। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) वर्षायोग प्रवचन के तहत सोमवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमे प्रेरणा देता है कि कभी भी हिम्मत नहीं हारने वाले और धैर्य रखने वाले विजय प्राप्त कर सकते है। पूज्य सन्मतिसागरजी ने भी कभी हिम्मत नहीं हारी ओर विश्वास रखा कि अच्छे दिन हमारे भी आएंगे। गुरू जमीनी स्तर पर दूर हो सकते लेकिन दिल से कभी दूर नहीं होते। आचार्यश्री ने कहा कि हारना ओर हार मान लेने में फर्क है। जीवन में कभी हार नहीं मानना है समय बदलते हुए देर नहीं लगती। धैर्य रखने वाला ही रोडपति से करोड़पति बनता है। हमेशा मन में उत्साह भाव बना रहना चाहिए। हमे विनम्र बनना है लेकिन दीन नहीं बनना है। वर्ण से नहीं भावों से गौरा बनने की जरूरत है। भगवान श्रीकृष्ण ने समय आने पर बचपन के सहपाठी सुदामा की दरिद्रता दूर कर मित्रता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। मित्रता वहीं है जो कोई भेद देखे बिना मित्र को प्रेम ओर वात्सल्य भाव से गले लगाए। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा में श्री बाहुबली वेलफेयर सोसायटी भीलवाड़ा का मंगलकलश पुण्यार्जक बनने पर समाज द्वारा स्वागत अभिनंदन करते हुए इस पुनीत कार्य के लिए हार्दिक अनुमोदना की गई। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि सोसायटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र छाबड़ा व अन्य पदाधिकारियों ने मंगलाचरण,दीप प्रज्वलन,पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। सभा में दिल्ली, बांसवाड़ा, मन्दसौर, सागवाड़ा आदि स्थानों से पधारे श्रद्धालु भी मौजूद थे। संचालन पदमचंद काला ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया।

चेतन तीर्थ यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन युवा परिषद के द्वारा जयपुर शहर में चल रहे चातुर्मासो के दर्शनों के लिए 24 बसो से करीब 800 लोगों को दर्शन कराए गए। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा लाखना ने बताया की यात्रा का शुभारंभ थडी मार्केट जैन मंदिर से किया गया। समाज श्रेष्ठि वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष महेश काला, विनय सोगानी, ड़ा राजीव जैन ,श्री सुभाष पाटनी एवं थडी मार्केट जैन मंदिर के अध्यक्ष पवन जैन ने जैन ध्वज लहराकर इस यात्रा को रवाना किया, प्रदेश महामंत्री रवि रावंका ने अवगत कराया सभी मंदिरों के दर्शन करते हुए यह यात्रा बिलवा जैन मंदिर पहुंची जहां पर सभी भक्तों को दर्शनों के साथ-साथ भव्य जैनेश्वरी दीक्षा देखने का भी अवसर प्राप्त हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष नेमीचंद छाबड़ा एवं विजय खटवाडा ने बताया कि इस यात्रा में सभी मंदिरों से दो-दो संयोजक बनाए गए थे। मुख्य संयोजक विनोद जैन, आलोक पाटनी, अनंत जैन ने बताया की यात्रा का अंतिम पड़ाव कीर्ति नगर जैन मंदिर रहा जहां पर सभी भक्तों ने मुनि श्री 108 समत्व सागर जी के प्रवचनों का लाभ लिया और जैन धर्म के बारे में जाना। इस अवसर पर भारतीय जैन युवा परिषद् के सलाहकार प्रणव लुहाडिया, शेखर सोगानी,शैलेन्द्र छाबड़ा कोषाध्यक्ष राकेश काला, संगठन मंत्री रतन सोगानी, साँस्कृतिक मंत्री प्रेरणा लुहाडिया, मुख्य जोन प्रभारी योगेश बड़जात्या,वरिष्ठ सदस्य अक्षय लुहाडिया, अनिल पाटनी चोरु वाले, अंजू मंगोड़ी वाले, अरुण जैन मंत्री विवेक विहार जैन मंदिर, संतोष जी बाकलीवाल मंत्री राधा विहार जैन मंदिर, संजय अजमेरा सांगानेर आदि उपस्थित रहे।

लायंस क्लब सेंट्रल ने किया ऐतिहासिक और पौराणिक विरासतों का भ्रमण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा ऐतिहासिक महत्व के स्थानों का भ्रमण कार्यक्रम के तहत जन्माष्टमी की पूर्व संध्या में पाटन स्थित भगवान केशोराय जी के प्राचीन मंदिर, राजराजेश्वर मंदिर, पांडवो की गुफाएं आदि स्थानों का भ्रमण किया । अध्यक्ष मधु ललित बाहेती एवं सेक्रेटरी राधा खुवाल ने बताया कि क्लब के 35 सदस्यों ने लायन राजकुमार रेखा कहलिया के सौजन्य से चंबल नदी के किनारे पाटन के प्राचीन केशोराय जी का मंदिर, मंदिर प्रांगण में पांडवो की गुफाएं और उनके पूजा स्थल, प्रसिद्ध राज राजेश्वर मंदिर में शिव अभिषेक, श्रीहरि गोशाला, चंबल नदी में रिमझिम फुहारों के बीच नौका विहार का आनंद लिया। एक दिवसीय यात्रा में सभी सदस्यों ने हमारी समृद्ध विरासतों की पूर्ण जानकारी प्राप्त की । पीडीजी विशाल माहेश्वरी, जोन चेयरमैन के के राठी, रीजन चेयरमैन दिनेश खुवाल ने बताया की इस तरह की ज्ञानवर्धक यात्राओं से सदस्यों में मेलमिलाप और प्रेम भाव बढ़ता है ।

एंबीशन किड्स एकेडमी में रिमझिम बरखा संग कृष्ण लीलाओं का संजीव मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर श्योपुर रोड स्थित एंबीशन किड्स एकेडमी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पूर्व दिवस पर रिमझिम बरखा के बीच सजीव झांकियो का मंचन किया गया, जिसमें कृष्ण की विभिन्न लीलाएं नन्हे मुन्ने बच्चों ने संजीव प्रस्तुत की। यहां झांकी के प्रथम दृश्य में बकासुर वध दिखाया गया, जिसमें बकासुर राक्षस जिसे मामा कंस ने श्री कृष्ण को मारने के लिए भेजा था, वह बगुले का रूप धारण करके कृष्ण को निगल गया । तदपश्चात कृष्ण ने उसकी चोंच को चीरकर बकासुर का वध कर दिया । वही झांकी के दूसरे दृश्य में श्रीकृष्ण द्वारा एक उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गांव वासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाना दिखाया गया। कृष्ण भक्ति परंपराओं में रासलीला को आत्मिक प्रेम का सबसे सुंदर चित्रण माना गया है। इन परंपराओं में भौतिक दुनिया में मनुष्यों के बीच प्रेम को कृष्ण के आध्यात्मिक प्रेम प्रतिबिंब के रूप में माना गया है। इसीलिए विभिन्न रासलीलाओ में लड्डुगोपाल नौकाविहार के माध्यम से दूसरे दृश्य का मंचन किया गया । एक अन्य दृश्य में कृष्णा के गोकुल गांव का दृश्य भी दिखाया गया, जिसमें कृष्ण की विभिन्न बाल्यकाल की लीलाओं को दशार्या गया है। इसमें जहां एक ओर कान्हा विभिन्न गोपियों संग रासलीला कर रहे थे तो वहीं दूसरी ओर गोकुलधाम के दृश्य में ग्वालाने माखन बिलों रही थी ,तो ग्वाले कान्हा संग सखियों के साथ खेल रहे थे। वही यशोदा मां नंदबाबा के साथ कृष्ण को पालने में झूला रही थी। इसी प्रकार कान्हा का माखन चुराना, गाय चराना, मीरा की अटूट भक्ति आदि विभिन्न दृश्यों का झांकी के माध्यम से सुंदर प्रस्तुतीकरण किया गया। इससे पूर्व सजीव झांकियो का उदघाटन प्रमुख समाज सेवक तथा ग्रेटर नगर निगम के सक्रिय सदस्य चेतन निमोडीया द्वारा सपरिवार किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष वरिष्ठ होम्योपैथ डॉ मोहन लाल जैन मणि तथा संस्था सचिव डॉ शांति जैन द्वारा संयुक्त रूप से बच्चों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया। संस्था प्राचार्या डॉ अलका जैन ने बताया की आज के दौर में भगवान कृष्ण के गीता उपदेश के जरिए बेहतर जीवन व्यवस्था के साथ विकास का उच्च सोपान प्राप्त किया जा सकता है। उपाचार्य श्रीमती अनीता जैन ने कृष्ण जन्माष्टमी का महत्व समझाया एवं इस अवसर पर सभी बच्चों का फोटो सेशन भी किया गया और उन्हें प्रसादी एवं उपहार भी वितरित किए । यहां कान्हा का पालना झुलाकर अभिभावकों तथा आगंतुकों ने भी बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम के अंत में एकेडमी के निदेशक डॉ मनीष जैन ने बच्चों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी तथा आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला समानता कविता प्रतियोगिता संपन्न

आनन्द गिरि मायालु. शाबाश इंडिया

लुंबिनी। नेपाल की पवित्र भूमि लुंबिनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। आज महिला समानता दिवस के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय महिला समानता कविता प्रतियोगिता संपन्न हुई है। महिलाओं को सभी क्षेत्रों में पुरुष की तरह समान स्थान प्रदान करने, नेपाल भारत मैत्री सम्बंध मजबूत बनाने, महिला लेखिकाओं को प्रोत्साहित करने तथा भाषा, साहित्य के विकास के उद्देश्य से प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया। नेपाल की प्रसिद्ध संस्था शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर की कविता प्रतियोगिता में देश विदेश से सैकड़ों रचनाकारों की सहभागिता रही थी। प्रतियोगिता में नेपाल, भारत, कनाडा तथा तंजानिया से 178 महिला पुरुष रचनाकारों की सहभागिता रही है। जिसमें से उत्कृष्ट कविता के आधार पर 60 रचनाकारों का चयन किया गया है। आयोजित की गई प्रतियोगिता में राजमाला आर्या - खंडवा, जलेश्वरी वस्त्रकार - बिलासपुर, रेखा जैन प्रकाश - टोंक, विजेता शर्मा - रायपुर, आतिया नूर - प्रयागराज, प्रीति चौरसिया गुप्ता - भोपाल, ब्रजेश्वरी राउटे - नारायणपुर, मीना रवि - उत्तराखंड, साक्षी ढेरे जी, बीड, नविता निश्छल , बिलासपुर, डॉ बंशीलाल गाडीलोहर, उषा पटेल जी - दुर्ग, शिवम गुप्ता - फतेहपुर, साईंमीरा जोशी - चेन्नई, डॉ तारा वर्मा स्टार - अंबेडकरनगर, उषा त्रिपाठी - अजमेर, मंजूलता नागेश-प्रयागराज, मंजू माथुर - अजमेर, अनुकृति माथुर - अजमेर, मोनिका शर्मा - शाहजहांपुर, निशा भारद्वाज - नार्थ यार्ड - कनाडा, सरोज शर्मा - होशियारपुर, राजन कार्तिकेय - दरभंगा, डॉ संजीदा खानम शाहीन - जोधपुर, सौ भावना मोहन विधानी - अमरावती, उषा सक्सेना , श्रीना एस - केरल, डॉ खन्ना प्रसाद अमीन - गुजरात, कवि दलवीर फूल - रेवाड़ी, लिटरेरी जनरल सरिता कुमार - फरीदाबाद, प्रदीप खरे मंजुल - टीकमगढ़, विजय कुमार गुप्ता मुन्ना - दुर्ग, मोहन सिंह जाटव - गुना, सुनील कुमार - सहारनपुर, सुशीला कुमारी - चतरा, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव - जबलपुर, निशा सेठ - तंजानिया, शुभा शुक्ला निशा - रायपुर, राज कुमारी रैकवार राज - जबलपुर, शशि रानी सिंह - बरेली, अजय कुमार सरगोशी - अकोला, डॉ क्षमा शर्मा - अजमेर, सुनीता प्रयाकार राव वासुनी - तेलंगाना, दुष्यंत कुमार - अमरोहा, सरिता सक्सेना - खंडवा, डॉ मनीराम वर्मा - अंबेडकरनगर, डॉ शेषपाल सिंह शेष - आगरा, कुलदीप भारद्वाज - फिरोजाबाद, डॉ शशि जोशी शशी - हल्द्वानी, पूनम तोमर - शामली, रुचि शर्मा - शामली, डॉ इंदिरा चौधरी - जयपुर, प्रीति तिवारी कश्मीरा - सहारनपुर, अतिया नूर - प्रयागराज, सुन्नी नागेंद्र सिंह - चंद्रपुर, दीपाश्री मुकेशभाई महेर - बलसाड, गार्गी गुप्ता - रायबरेली, डॉ इंदिरा चौधरी - जयपुर, दुर्वा दुर्गेश वारिक गोदावरी - साउथ गोवा, सरिता महिवाल - अंबेडकर नगर, आशीष कुमार - हमीरपुर की कविता उत्कृष्ट मानी गई है। चयनित सभी रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए महिला समानता काव्य रत्न सम्मान से सम्मानित कर सभी को आकर्षक ई प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। सभी सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आनन्द गिरि मायालु ने कहा - समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में कवि तथा लेखकों की भूमिका उल्लेखनीय होती है। आज सभी रचनाकारों को समाज विकास तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कलम चलाने की जरूरत है। कवियों तथा लेखकों को सरकार की ओर से आर्थिक प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। इस प्रतियोगिता में भी देश विदेश से उल्लेखनीय सहभागिता रही है। शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन नेपाल, नेपाल की एक चर्चित संस्था है जो विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती आई है। अब तक कई ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का निःशुल्क आयोजन कर चुकी है। संस्था की सचिव तथा प्रतियोगिता प्रचार प्रमुख चरना कौर कहती हैं - हमारी सभी प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। जल्द ही हमारी संस्था की ओर कवि, लेखक, पत्रकार और साहित्यकारों के लिए एक परिचय डायरेक्ट्री प्रकाशन किया जायेगा जिसमें विश्व भर के हिंदी कवि, लेखक और साहित्यकार सहभागी हो सकते हैं। संस्था अपनी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती आई है।

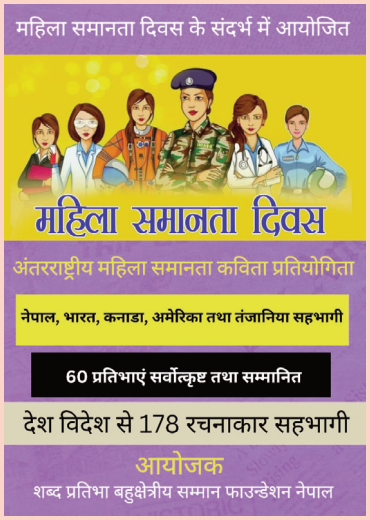

कवि डी के जैन मित्तल को हाथरस में मिला डॉ पप्पे स्मृति सम्मान

हाथरस. शाबाश इंडिया। रूई की मंडी, हाथरस में ठा. श्री कन्हैया लाल जी महाराज मंदिर के बाहर प्रांगण में 169वें मेला महोत्सव पर एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन ब्रज कला केंद्र एवं राष्ट्रीय कवि संगम के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। आशुकवि अनिल बोहरे के संचालन में हुए कवि सम्मेलन में सभी कवियों ने शानदार काव्यपाठ किया। इसी कार्यक्रम में कामां राजस्थान के कवि डी के जैन मित्तल को डॉ पप्पे स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय उप जिला कलेक्टर हाथरस राज बहादुर राज, कवि प्रो ओमपाल सिंह निडर (भूतपूर्व सांसद), कवि मुकेश मनमौजी, कवि कृष्ण कुमार सरल, कवयित्री ज्योतिमा शुक्ला, डॉ उपेंद्र झा सहित अन्य स्थानीय कवि, मेला कमेटी सदस्य एवं श्रोता मौजूद थे।

तीये की बेठक

अत्यंत दुःख के साथ सुचित किया जाता है
श्रीमती शशी बिलाला
(धर्मपत्नी पदम चन्द बिलाला)
का स्वर्गवास दिनांक 25 अगस्त 2024 को हो गया है।
तीये की बेठक बुधवार दिनांक 28 अगस्त 2024 को प्रातः 10.30 बजे
तोतुका भवन, भट्टारक जी की नशिया में रखी गई है।

शोकाकुल:- अशोक कुमार, सुरेन्द्र कुमार, राजकुमार, नरेन्द्र, नवीन, विनोद,
सुधीर, देवेन्द्र, अनील, संजय बिलाला
सयंम-स्मृती (पुत्र व पुत्रवधू) एवं समस्त बिलाला परिवार, जयपुर
मन्जु-अशोक जी कोडीवाल,सरिता-मुकेश जी भोसा (ननद - नन्दोई)
श्रीजा-विजय जी पहाड़े,पुजा-अचिन जी जैन (पुत्री - दामाद)

पीहर पक्ष- कमल, अरविंद, रवि, राजकुमार, राकेश, सुनील गोधा
कलकत्ता निवासी
भागचन्द, सुरेश चन्द, अशोक दिवान

वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा शिविर आयोजित, सम्मान समारोह, फिजीयोथेरेपी भी हुई

उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदेश्वर मित्र मंडल हिरण मंगरी, से. 3, उदयपुर द्वारा 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ परिजनों का सम्मान समारोह, फिजीयोथेरेपी चिकित्सा शिविर एवम वर्षा कालीन पारिवारिक स्नेहमिलन कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जिसमें मानव सेवा प्रकल्प के तहत इस भीषण गर्मी में श्री आदेश्वर जल मंदिर सेवाश्रम चौराहे पर ओवर ब्रिज के नीचे छांव में जल मंदिर सहयोगी एवं भामाशाओ का माला उपर्णा पहनाकर स्वागत एवम अभिनंदन किया गया। संस्था के मीडिया प्रभारी सुनील गांग ने बताया कि संस्था के संरक्षक श्याम झगड़ावत, शांतिलाल नलवाया, सुरेश गांग, प्रकाश पोखरना अध्यक्ष अशोक पोखरना, मंत्री नवरत्न भड़कतिया एवं कार्यकारिणी सदस्य हर्ष खाब्या, दिलखुश कावड़िया, राजेश मांडावत, अशोक मूणैत, कमलेश मारू, अरविंद बाबेल, सुरेन्द्र जारोली, ज्ञान सिंह पोरवाल, भारत दाणी एवं सेवा सदस्यों के सहयोग से खेलकूद प्रतियोगिता में सभी ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। भौतिक चिकित्सा शिविर में फिजियोथैरेपिस्ट डॉ.ध्रुवी जैन, डॉ. नीलम पालीवाल एवम डॉ. श्रुति जैन की निशुल्क सेवाएं रही जिसमे 30 रोगियों ने लाभ लिया। वरिष्ठजन सम्मान में संयुक्त परिवार के प्रेरक शांतिलाल गांग, 17 वर्षीतप एक मासखमण एवम अनेक तपस्या करने वाली भाग्यवंती जी बाबेल एवं चंद्राबाई मांडोत का माला शोल एवम उपर्णा पहनाकर स्वागत एवम अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील गांग ने किया, संस्था के बारे में संरक्षक श्याम लाल झगड़ा ने जानकारी बताई, शांतिलाल नलवाया ने सभी के सहयोग का आभार व्यक्त किया, सुरेश गांग ने चिकित्सा उपकरण बैंक की स्थापना के बारे में विचार की अपील की एक अंत में सचिव नवरतन भरकत्या ने धन्यवाद अर्पित किया।

जस्टिस एन.के. जैन का किया अभिनंदन

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय में आज मानवाधिकार आयोग राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष,पूर्व लोकायुक्त, कर्नाटक एवं मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधिपति,राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग के पूर्व चेयरमैन जस्टिस एन.के. जैन एवं उनकी धर्म पत्नी का राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की हीरक जयंती समारोह में शिरकत करने जोधपुर जाते समय अल्प प्रवास पर ब्यावर पधारने पर महाविद्यालय परिसर में अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। ज्ञातव्य है कि राजस्थान उच्च न्यायालय पीठ जोधपुर के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल, कानून मंत्री तथा मुख्य न्यायाधिपति सहित देश के अनेक प्रमुख गणमान्य नागरिक इसमें शामिल हुए थे। इस अवसर पर शिक्षण समिति के अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख व महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढा द्वारा पूर्व मुख्य न्यायाधिपति श्री एन के जैन का माल्यार्पण कर, बुके एवं स्मृति चिन्ह भेट कर अभिनंदन किया गया। महाविद्यालय अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढा ने श्रीमती जैन का माल्यार्पण एवं बुके भेट का स्वागत किया। न्यायाधिपति जैन ने अल्पसंख्यक समुदाय को अपने धर्म, भाषा, संस्कृति के रक्षण अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए संबंधित इतिहास की जानकारी भी सांझा की। महाविद्यालय के भौतिक विकास की सराहना करते हुए समिति प्रबंधन के प्रति हर्ष व्यक्त किया। महानगरों जैसी विकसित एवम अत्याधुनिक सुविधाएं ब्यावर में उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति परिवार को शुभकामनाए प्रेषित की।

श्रावक के लिए पांच अणुव्रतों का परिपालन

चारों कषाय की मन्दता हो एवं मन, वचन और काय में निर्दोष प्रवृति शीलव्रतेषु अनतिचार है : मुनिश्री 108 पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने सोमवार 26 अगस्त को षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि , श्रावक के लिए पांच अणुव्रतों का परिपालन, चारों कषाय की मन्दता हो एवं मन, वचन और काय में निर्दोष प्रवृति शीलव्रतेषु अनतिचार है। जो मनुष्य शील का पालन करता है वह अपनी और दूसरे की अनेक आपत्तियों पर विजय प्राप्त करता है, अपनी आत्मा के परिणाम को निर्मल बनाता है। अहिंसादि पांच अणुव्रतों की रक्षा के लिए श्रावक के तीन गुण व्रत और चार शिक्षा व्रत, ये सात शीलव्रत हैं। तीन गुण व्रत में दिग्व्रत, देशव्रत और अनर्थदण्डव्रत अणुव्रतों में दृढ़ता प्रदान करते हैं और सामायिक, प्रोषधोपवास, भोगोपभोग परिमाण और अतिथि संविभागव्र ये चार शिक्षा व्रत संसार के बंधन से छूटने और आत्म कल्याण करने के लिए मुनी धर्म की शिक्षा प्राप्त करने हेतु श्रावक द्वारा ग्रहण किए जाते हैं। सोलहकारण भावनाओं में अतिचार रहित शील और व्रतों का पालन करना शीलव्रतेष्वनतिचार नाम की तीसरी भावना है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व दीप प्रज्वलन राजकुमार जैन मालवीय नगर एवं सहयोगियों ने, मंगलाचरण श्रीमती गुणमाला काला ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती विमला देवी , श्रीमती गुणमाला सुखानन्द काला ने किया। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

समाज संस्कृति और जैनागम को बचाना युवाओं का कर्तव्य है: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु

मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मंगलवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन किया गया। जिसमें मुनि श्री ने कहा कि जीवन का उद्देश्य क्या हम बना चुके हैं? पर होना क्या चाहिए, इस पर हमें सोचना चाहिए। रीतियों और धर्म के रिवाज का कोई अन्त करो ना करो पर धर्म छुपना नही चाहिए। मुनि श्री ने युवाओं को आव्हान करते हुए कहा कि हमें हमारी संस्कृति की खोज करनी चाहिए। समाज, संस्कृति और जैनागम को बचाना युवाओं का कर्तव्य है इसलिए हमें समाज, संस्कृति एवं जैनागम को बचाने का उद्देश्य बनाना चाहिए। स्वयं में स्वयं को पाना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। यदि

नवयुवकों में अच्छे संस्कार शोषित करोगे तो उनका भी भविष्य अच्छा होगा और हमारा भविष्य भी अच्छा होगा। मुनि श्री ने कहा कि हम स्पेस साईन्स पर विश्वास करते हैं, जिनका ज्ञान सीमित है पर सोल साईन्स पर विश्वास नहीं करते, जो सर्वज्ञ देव ने कही है तथा जिनका ज्ञान असीमित है। यदि आज का युग इस तथ्य को भी समझे कि स्पेस साईन्स में जो कहा गया है वो हमनें नहीं देखा सिर्फ विश्वास किया है। यदि ऐसा ही विश्वास जैनागम पर करे तो हमारी संस्कृति, धर्म हमेशा के लिए सुरक्षित रहेगा। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात अर्हम चातुर्मास समिति 2024 के शिरोमणि संरक्षक कवंरी लाल, अशोक कुमार, सुरेश कुमार, विमल कुमार पाटनी आर के ग्रुप किशनगढ़ परिवार से श्राविका श्रेष्ठी सुशीला पाटनी, शांता पाटनी द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व सुशीला पाटनी, शांता पाटनी, शीला डोड्या, प्रिया छाबड़ा दूदू सहित सभी अतिथियों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार, 27 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

दिल्ली प्रदेश युवा परिषद का परिचय सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

महावीर के संदेश अहिंसा से ही विश्व शांति संभवः आचार्य श्रुत सागर जी महाराज

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 25 अगस्त प्रातः9.30 से सत्यसांय ऑटोडोरियम में परम पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के मंगल आशीर्वाद परम पूज्य आर्यिकारत्न श्री चंदनामती माताजी ,पीठाधीश स्वस्ति श्री रवींद्र कीर्ति स्वामी जी के निर्देशन में, परम पूज्य आचार्य श्री श्रुतसागर जी महाराज के सानिध्य में युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ जीवन प्रकाश जैन हस्तिनापुर , की अध्यक्षता में ,राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ,राष्ट्रीय शिवसेना के प्रमुख जय भगवान गोयल के मुख्य आतिथ्य में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् दिल्ली प्रदेश की प्रदेशाध्यक्ष सुनंदा जैन दिल्ली ने अवगत कराया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग जैन सदस्य धन्य कुमार जिनप्पा गुंडे दिल्ली , बोध्द धर्म की सदस्य रिन्चेन लामो लद्दाख, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा परिषद् के डां जीवन प्रकाश जैन , राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ,राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार जैन दिल्ली ,राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दिलीप जैन जयपुर ,युवा परिषद राजस्थान प्रांत के उपाध्यक्ष धनपाल जैन उदयपुर, श्रेष्ठी शरद कुमार जैन दिल्ली, हेमचंद ऋषभ विहार, विनोद जैन उत्तम नगर, नीरज जैन चांदनी चौक, लाल मंदिर से चक्रेश जैन , सुनीता काला आदि ने चित्र अनावरण दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

बच्चों ने राधा-कृष्ण बनकर अपनी मनमोहक मुस्कान से मोह लिया